अध्याय X

सुरक्षा

स्टील अथारिटी ऑफ इंडिया लि. (सेल)

सेल सुरक्षा संगठन द्वारा कंपनी में कारखाना क्षेत्र में व्यापक सुरक्षा अभियान, भिलाई, दुर्गापुर, राउरकेला इस्पात संयंत्रों में रिस्क कंट्रोल ग्रेडिंग सिस्टम शुरू करने, सुरक्षा जांच, कार्यशाला और प्रशिक्षण आदि जैसे उपाय करने के लिए सुरक्षा मानकों में सुधार हेतु सतत प्रयास किए गए । वर्ष 2003 की तुलना में कैलेंडर वर्ष 2003 में कारखानें में चोट आदि लगने की घटनाओं में 21% की कमी आई है ।

राष्ट्रीय इस्पात निगम लि॰ (आर आई एन एल)

विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र पहला एकीकृत इस्पात संयंत्र है जिसने ब्रिटिश स्टेंडर्ड इंस्टीट्यूट स्पेसिफिकेशन के अनुसार ''व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रणाली'' कार्यान्वित की है और इसने मै॰ बी वी क्यू आई से ओ एच एस ए एस : 18001 प्रमाण पत्र प्राप्त किया है । सभी विभागों के लगातार प्रयासों के फलस्वरूप कर्मचारियों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है । नियमित कर्मचारियों को पुनश्चर्या सुरक्षा प्रशिक्षण दिया जाता है । ठेके पर रखे गए कर्मचारियों को भी विनिर्दिष्ट क्षेत्रों का सुरक्षा प्रशिक्षण दिया जाता है ।

शीर्ष प्रबंधन द्वारा सुरक्षा कार्यकलापों की साप्ताहिक और मासिक आधार पर समीक्षा की जाती है । प्रत्येक माह विभाग और संयंत्र स्तर पर व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली की समीक्षा की जाती है । केंद्रीय सुरक्षा समिति और 25 विभागीय सुरक्षा समितियों द्वारा विभिन्न सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाता है और इन समितियों की सिफारिशों को कार्यान्वित किया जाता है।

ग्रीन-टैक सेफ्टी फांउडेशन, नई दिल्ली द्वारा वीएस पी को वर्ष 2002-03 का प्रतिष्ठित ग्रीन-टैक सिल्वर सेफ्टी पुरस्कार प्रदान किया गया है ।

नेशनल मिनरल डवलपमेंट कॉरपोरेशन लि॰ (एनएमडीसी)

एन एम डी सी की सभी परियोजनाओं में इसके अपने प्रशिक्षण केंद्र हैं और इनमें खान व्यावसायिक प्रशिक्षण नियम के अनुसार अपेक्षित अवसंरचनात्मक सुविधाएं उपलब्ध हैं । इन केंद्रों में बुनियादी प्रशिक्षण, पुनश्चर्या प्रशिक्षण दक्ष ट्रेड के कर्मचारियों और ड्यूटी पर घायल होने वाले कर्मचारियों को भी, प्रशिक्षण दिया जाता है ।

एन एम डी सी की प्रत्येक परियोजना में सांविधिक अपेक्षाओं के अनुसार खनन, यांत्रिक और विद्युत प्रतिष्ठानों के लिए निरीक्षकों का नामांकन/नियुक्ति की जाती है ।

त्रिपक्षीय सुरक्षा समिति की बैठक नियमित रूप से वर्ष में एक बार मुख्यालय में की जाती है ।

Untitled-4 92 9/30/04, 11:11 AM

वर्ष में एक बार परियोजना, निगम कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों और डी जी एम एस के क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ स्थानीय त्रिपक्षीय समिति की बैठक की जाती है जिसमें सुरक्षा निष्पादन का मूल्यांकन किया जाता है और उनकी सिफारिशों को कार्यान्वित किया जाता है।

सांविधिक रूप से अपेक्षित सभी आवधिक चिकित्सा जांच और अतिरिक्त परीक्षण समय पर किए जाते हैं । इसमें सभी नए कर्मचारियों, रोल पर पुराने कर्मचारियों की भी चिकित्सा जांच उनकी अधिवार्षिता से एक वर्ष पूर्व की जाती है ।

वर्ष 2003-04 के दौरान निगम की खानों में 3 घातक दुर्घटनाएं और 6 गंभीर रूप से घायल होने की दुर्घटनाएं हुई।

कुद्रेमुख आयरन ओर कंपनी लिमिटेड (के.आई.ओ.सी.एल)

एक सुरक्षा विभाग प्रभावी रूप से कार्य कर रहा है। कंपनी में कार्य कर रहे व्यक्तियों की व्यावसायिक सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली में कर्मचारियों की प्रतिभागिता कंपनी द्वारा अपनाए गए महत्वपूर्ण मानदंडों में से एक है । क्षेत्रवार सुरक्षा समितियां गठित की जाती हैं । इन सुरक्षा समितियों में कर्मचारियों की प्रतिभागिता सुनिश्चित की जाती है । सुरक्षा समिति के सदस्यों के साथ-साथ सुरक्षा अधिकारी द्वारा नियमित रूप से सुरक्षा-निरीक्षण किए जाते हैं तथा प्रतिमाह आयोजित सुरक्षा बैठकों में सुरक्षा बिन्दुओं पर चर्चा की जाती है ।

सुरक्षा के प्रति चेतना पैदा करने और मानव संसाधन विकसित करने के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण, प्राथमिक चिकित्सा संबंधी प्रशिक्षण, सकारात्मक कार्य प्रणाली का प्रशिक्षण, पर्यावरण के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम गुणवत्ता और सुरक्षा प्रबंध प्रणाली जैसे विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं । कंपनी ने क्षेत्रीय तथा राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं दोनों में कई पुरस्कार जीते हैं ।

मैंगनीज ओर इंडिया लि. (मॉयल)

सतह के समीप अयस्क निक्षेपों के कम होने के साथ गहराई में खनन कार्य बढ़ता चला जा रहा है और उत्खनन कार्य अधिक से अधिक भूमिगत खनन के रूप में बढ़ रहा है । इसमें अतिरिक्त पहलुओं की ओर ध्यान देने की आवश्यकता होती है जैसे कि अवलम्ब पद्धतियां, वायु संवाहक और उत्खनन से रिक्त हुए स्थानों का सही प्रकार भरण आदि । कर्मचारियों को निरन्तर प्रशिक्षण देने पर बल दिया जाता है, और पिट-सुरक्षा समितियों, वर्क मैन इंस्पैक्टरों, सुरक्षा निरीक्षकों तथा महा प्रबंधक (सुरक्षा) द्वारा खनन कार्य का नियमित रूप से निरीक्षण किया जाता है ।

सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया जाता है और प्रदर्शनियां लगाई जाती हैं ताकि सुरक्षित रूप से कार्य करने के लिए कर्मचारियों में सुरक्षा की आदत डाली जाए । सुरक्षा समितियों की नियमित रूप से बैठकें होती हैं । इन बैठकों में खनन कामगारों द्वारा असुरक्षित/लापरवाही से किए गए काम की पुनरावृति को रोकने पर विचार-विमर्श किया जाता है । कम्पनी खानों में सुरक्षा और वहां कार्यरत कर्मचारियों की सुरक्षा की ओर विशेष ध्यान देती है। कंपनी ने सुरक्षा

Untitled-4 93 9/30/04, 11:11 AM

प्रतियोगिता में भाग लिया तथा 47 पुरस्कार जीते । कम्पनी को अपनी गुमगांव खान के लिए ''न्यूनतम दुर्घटना बारम्बारता दर'' के लिए वर्ष 2000, 2001 और 2002 का राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार प्राप्त हुआ ।

फैरो स्क्रैप निगम लि. (एफएसएनएल)

कर्मचारियों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद् के साथ-साथ अन्य संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं ।

इसके अतिरिक्त, सभी इकाइयों और निगमित कार्यालय में सुरक्षा दिवस का भी आयोजन किया जाता है। जिसमें कर्मचारी पूरे उत्साह से भाग लेते हैं और विजेताओं को उपयुक्त पुरस्कार दिए जाते हैं।

हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लि॰ (एचएससीएल)

एच एस सी एल ने सुरक्षा संहिता तैयार की है और इसके कार्यान्वयन के लिए पर्याप्त कदम उठाए गए हैं ।

बर्ड ग्रुप की कंपनियां

बर्ड ग्रुप में शामिल खनन कंपनियाँ डी जी एम एस निर्देशों के अनुसार खानों और परिवहन सड़कों का सुरक्षा विनिमय के अनुसार अनुरक्षण, सुरक्षा सलोगन, अग्निशमन प्रदर्शन के लिए व्यवस्था, खनन कर्म चारियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण और वार्षिक खान सुरक्षा सप्ताह का आयोजन और इसमें हिस्सा लेना आदि जैसे सुरक्षा उपाय करती हैं ।

Untitled-4 94 9/30/04, 11:11 AM